इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया)

यू पी स्टेट सेंटर, लखनऊ

प्रेस विज्ञप्ति

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स ने 61वाँ राष्ट्रीय समुद्री दिवस “सतत शिपिंग अवसर और चुनौती” विषय पर मनाया

आज दिनांक 05/04/2024 को रिवर बैंक कालोनी स्थित इन्जीनियर्स भवन में 61वां राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाया गया जिसका विषय “सतत शिपिंग अवसर और चुनौती” था । इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ई0 समीर कुमार जैन, मुख्य अभियंता, एंग्लो ईस्टर्न शिप मैनेजमेंट, सिंगापुर थे । उन्होंने बताया 05 अप्रैल 2024 यह 61वां राष्ट्रीय समुद्री दिवस है, पहला समुद्री दिवस 5 अप्रैल 1964 को मनाया गया था। 5 अप्रैल को हर साल राष्ट्रीय समुद्री दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब एसएस लॉयल्टी इंडियन के स्वामित्व वाला और पंजीकृत जहाज 05 अप्रैल 1919 को बॉम्बे से रवाना हुआ था, भारत में ब्रिटिश सरकार द्वारा इसे हतोत्साहित करने के कई प्रयासों के बावजूद। यह सेर वालचंद और नरोत्तम मोरारजी की अग्रणी भावना से संभव हुआ, जिन्होंने सिंधिया स्टीम नेविगेशन कंपनी की स्थापना की। इसकी सराहना और उल्लेख महात्मा गांधी ने यंग इंडिया में अपने लेख में भी किया था। भारत 7500 किलोमीटर की विशाल तटरेखा, लगभग 14,500 किलोमीटर लंबे अंतर्देशीय जलमार्ग, 200 से अधिक प्रमुख और छोटे बंदरगाहों से संपन्न है। भारतीय व्यापारिक समुद्री बेड़े में आज 13.7 मिलियन जीटी टन भार वाले 1526 जहाज हैं। भारत का लगभग 95% विदेशी व्यापार मात्रा के हिसाब से और 75% मूल्य के हिसाब से समुद्री परिवहन के माध्यम से किया जाता है और इनमें से लगभग 92% सामान विदेशी ध्वज वाले जहाजों के माध्यम से ले जाया जाता है। भारत में 500 हजार से अधिक पंजीकृत नाविक हैं, जिनमें से लगभग 250 हजार एक वर्ष में कार्यरत हैं, 85% विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर और 15% भारतीय ध्वज वाले जहाजों पर कार्यरत हैं। भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए शिपिंग इसके विकास में प्रमुख चालक होगी, हालांकि नियामक अनुपालन तक तकनीकी जटिलताएं बढ़ने जैसी चुनौतियां भी होंगी, जिससे उद्योग जूझ रहा है। कड़े उत्सर्जन मानकों के पालन और पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रथाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के साथ। पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए एलएनजी, हाइड्रोजन, मेथनॉल, अमोनिया, सौर और पवन ऊर्जा जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इस जटिल परिदृश्य में, समुद्री क्षेत्र के पास नेतृत्व करने का अवसर है, उन्नत तकनीकी समाधानों का नेतृत्व करने का प्रभार, जो न केवल पर्यावरणीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करता है, बल्कि उद्योग को एक हरित और अधिक तकनीकी रूप से परिष्कृत भविष्य की ओर ले जाता है, जिससे भारत एक विश्व शक्ति बन सके और निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सके।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में इन्स्टीटयूशन ऑफ इन्जीनियर के पूर्व अध्यक्ष श्री मसर्रत नूर खां ने सभी आगन्तुकों का स्वागत किया एवं मुख्य वक्ता का परिचय दिया। ई0 संजय श्रीवास्तव, प्रमुख अभियंता (से0नि0), लो0नि0वि0 द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ई0 समीर कुमार जैन का स्वागत गुलदस्ता एवं यादगार स्वरूप एक स्मृति चिन्ह देकर किया। कार्यक्रम का समापन श्री मसर्रत नूर खां के धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ। कार्यक्रम में बड़ी सँख्या में लोगों ने भाग लिया।

मसर्रत नूर खां

पूर्व अध्यक्ष

Institution of Engineers (India)

UP State Centre, Lucknow

Press Release

The Institution of Engineers (India), UP State Centre, Lucknow celebrated

'61st National Maritime Day' on subject 'Sustainable Shipping Opportunities and Challenge'

Today on 05/04/2024 at Engineers' Bhawan, River Bank Colony, Lucknow celebrated National Maritime Day with the theme "Sustainable Shipping : Opportunities and Challenges"'. The Keynote Speaker of this program was Er. Samir Kumar Jain, Chief Engineer, Anglo Eastern Ship Management, Singapore.

He told that the 5th April is celebrated as National Maritime day every year when SS LOYALTY Indian owned and registered Ship sailed from Bombay on 05Apr1919, despite many efforts by British govt in India to discourage it. It was made possible by pioneering spirit of Serh Walchand, and Narottam morarjee who founded scindia steam Navigation company. This was also appreciated and mentioned by Mahatma Gandhi in his article in Young India. India is endowed with a large coastline of 7500 Kms., inland waterways of nearly 14,500 Kms., more than 200 major and minor ports. Indian merchant marine fleet today stands at 1526 ships with tonnage of 13.7 Million GT. Nearly 95% of India's overseas trade by volume and 75% by value is carried through maritime transport and approximately 92% of these goods are carried through foreign flagged vessels. India has more than 500 thousand registered seafarers out of which about 250 thousand are employed in a year, 85% on foreign flag and 15 % on Indian flag ships. For Indias growing Economy Shipping will be key driver in its growth, however there will be challenges such as technical complexities extend to regulatory compliance, with the industry grappling with adherence to stringent emissions standards and the effective implementation of environmentally conscious practices. Alternative energy sources such as LNG, Hydrogen, Methnol, Ammonia, solar and wind energy are being seriously considered to reduce environmental impact. In this intricate landscape, the maritime sector has the opportunity to lead the charge in pioneering advanced technical solutions that not only ensure compliance with environmental regulations but also drive the industry towards a greener and more technologically sophisticated future for growth of India on March to a world power and becoming third largest economy of the world in near future.

At the beginning of the program Shri Masarrat Noor Khan, FIE, IP Chairman of the Institution of Engineers, UP State Centre, welcomed all the visitors and introduced the Keynote Speaker. Shri Sanjay Srivastava, Engineer-in-Chief, PWD (Retd.) gave the bouquet and a memento to Shri Samir Kumar Jain, Keynote Speaker. The program concluded with the vote of thanks by Shri Masarrat Noor Khan. A large number of audience participated in the program.

Masarrat Noor Khan

IP Chairman